

(das Meer spricht) दाडमुद्यम्य राघव । गाधत्वं मम मार्गं च दापयिष्यति ते-
जसा R. 5, 94, 10. sich Etwas reichen lassen KATHA. 12, 160. Neben दा-
पित = साधित zu zahlen veranlasst (A. K. 3, 1, 40. H. 446) wird von den
Erkl. zu A. K. auch die Lesart दापित erwähnt. — 2) verrichten, — voll-
bringen lassen: दापयामि ते । अहं त्रयोदशीभ्राह्मं KATHA. 3, 112. वाणीम्
mit dem acc. der Person Jmd sprechen lassen HARIV. 13782. — 3) auf-
legen —, auftragen lassen: तं लेपं कुड्येषु दापय MBH. 1, 5724.

— desid. दिदत्सति P. 7, 4, 54. 58. Vop. 19, 9. 12. दिदत्सते P. 7, 4, 54, Sch.
geben wollen, zu geben bereit sein: अस्मभ्यमिन्न दिदत्ससि RV. 1, 170, 3.
दिदत्सन्तं भूयो यज्ञतश्चित 2, 14, 10. 7, 32, 5. 8, 70, 3. 9, 61, 27. यदित्संसि
स्तुतो मधम् 4, 32, 8. 20. 8, 77, 3. दिदत्सैयम् 14, 2. AV. 12, 4, 2. 12. 5, 7, 6. अ-
दिदत्सन् M. 10, 113. ब्राह्मणेषु: — दिदत्सन्तं वसु MBH. 1, 5119. 5, 4275. VA-
RAH. BRH. S. 19, 10. वैरो R. GORR. 2, 8, 23. सर्वं मे दिदत्सन्तं वया MBH. 3,
15631. 8627. fg. तां (कन्यां) चेदहं न दिदत्सैयम् 1, 6159. 13, 106. DAČAK. in
BRNP. Chr. 186, 23. पुत्रयोर्गुणैरेव वधी ते दिदत्सते मया R. GORR. 1, 70,
13. MBH. 1, 4375. Auch दिदासति in folg. Stelle: प्रियं अहं ददत्: प्रियं
अहं दिदासत: RV. 10, 151, 2. Fehlerhaft dagegen ist folgende Form: न
मा मर्त्य: कश्चन दातुमर्हति विद्यकर्मन्मौवन मां दिदासिथा नि मङ्ग्वे ऽहं
सलिलस्य मध्ये (die Erde spricht) AIT. BR. 8, 21. Obschon ČĀKH. ČR. 16,
16, 7 dieselbe Lesart hat (nur ०य), so ersieht man doch aus ČAT. BR. 13,
7, 1, 15, dass hier eine Verderbniss vorliegt.

— intens. देदीयते P. 6, 4, 66. Sch. Vop. 20, 4.

— अति 1) im Geben übertreffen: अद्य प्रायेगिरति दासद्वान्नानासङ्गे अ-
ग्ने दशभिः सहस्रैः RV. 8, 1, 38. — 2) beim Geben übergehen: न जीवन्तम-
तिदाति KĀTJ. ČR. 4, 1, 27.

— अनु (partic. अनुदत्त KĀR. zu P. 7, 4, 47) 1) Jmd Etwas zugestehen,
zulassen, überlassen: अद्य क्रत्वा मधवत्सुभ्यं देवा अनु विश्वे अदुः सोमपे-
यम् RV. 5, 29, 5. न हूषेर्ऽनु ददासि वामम् 1, 190, 5. pass. 1, 61, 45. अस्मै
तवस्यर्षन्तु दापि सन्नेत्राय देवेभिर्गर्षसिता 2, 20, 8. 6, 23, 8. अनुदेय 20, 11.
— 2) Jmd nachsehen, weichen in (acc.); nachgeben: सूर्यश्चिदस्मा अनु
दापयस्याम् RV. 7, 43, 2. विश्वे त इन्द्र वीर्यं देवा अनु क्रतुं ददुः 8, 31, 7. यः
शर्धते नानुददाति प्रथ्याम् 2, 12, 10. दृच्छा चिदस्मा अनु दुः 1, 127, 4. —
3) Jmd Etwas nachsehen, erlassen: अनु दत्तामृणां नः AV. 6, 118, 1. 2. —
4) viell. Jmd (acc.) nachträglich eins versetzen: अग्रतो लतये यात् पुरुषं
पावकप्रभम् ॥ — ॥ तेन भग्नान्नीसर्वान्मद्भग्नान्मन्यते जनः । तेन भग्नानि सै-
न्यानि पृथतो ऽनुददाम्यहम् ॥ MBH. 7, 9499. — Vgl. अनानुद, अनुदेयो
(viell. Mitgabe RV. 10, 83, 6).

— अभि geben: अभ्यदात् MBH. 3, 13309.

— अच, partic. अचदत्त KĀR. zu P. 7, 4, 47.

— आ med. P. 1, 3, 20. Vop. 23, 2. act. im Veda nur in den Formen
आदम्, आदत् u. s. w., welche in den Padap. zu RV. und VS. (wie man aus
MAHABH. schliessen könnte) nicht zerlegt werden; sie wurden, wie es
scheint, nicht von दा abgeleitet. Im Epos erscheinen die Formen आदवि,
आदामि, आदामस्, आदद्यात्, आददेयम्, आददुस्, आदास्यामि; आदद्यात्
Schol. zu ĞĀIM. 1, 16. आददायन् MUND. Up. 1, 2, 5. 1) in Empfang neh-
men, erhalten, in Besitz nehmen; in der ältesten Sprache häufig mit
loc. der Person, bei oder von welcher man die Gabe empfängt: प्रयता
सद्य आ देदे RV. 4, 13, 8. 1, 126, 5. आ यदिन्द्रश्च ददहे सहस्रं वसुरोचिषः ।
III. Theil.

अत्रिष्ठमस्यं पशुम् 8, 34, 16. 46, 32. 37, 15. धस्योः पुरुषत्पारा सहस्राणि
दबहे 9, 38, 3. AV. 20, 127, 1. वया वसु मनुष्या देदीमाहे RV. 2, 23, 9. उ-
च्चा तं ज्ञातमन्धसो दिवि षड्म्या देदे 9, 61, 10. 10, 8. अभिन्नन्नन्तितं पात्र
आ देदे 68, 3. आददीताममेव (अन्नम्) अस्मात् M. 4, 223, 3, 29. चण्डालक-
स्तात् 10, 108. R. 1, 2, 10. RAGH. 1, 45. कृतमग्निरादेदे 3, 14. पूजामादाय दिवगा-
णाः) VARĀH. BRH. S. 47, 79. व्यवहारासनमादेदे RAGH. 8, 18. 10, 46. काकता-
लीयवत्प्राप्तं दृष्ट्वापि निधिमग्रतः । न स्वयं देवमादते पुरुषार्थमपेक्षते ॥ HIT.
Pr. 34. गर्भम् DRAUP. 5, 9. शुभो विद्यामाददीतावरादपि M. 2, 238. 117. आ-
देशम् R. 5, 63, 21. act.: शतं राज्ञो नार्धमानस्य निष्का कृतमश्नान्प्रयतान्-
स्य आदम् RV. 1, 126, 2. आदेद्व्योन्याददि: 127, 6. अग्नीव यो जिगीवी ल-
त्तमादेत् 2, 12, 4. 5, 30, 15. इषमूर्जमकृमिन् आदम् (आदि P. 6, 4, 64. VĀRTI.
2, Sch.) VS. 12, 105. स्वं चादास्यामि भूयो ऽहं पाप्मानं जरया सह MBH. 1,
3483. सक्नूनाददि ते 14, 2753. क्रः पुमान्कि कुले ज्ञातः स्वियं परगृहेषिताम् ।
तेजस्वी पुनरादद्यात् R. 6, 100, 18. fgg. तेषां सर्वं च लोका आत्ताः KĀHĀND. Up.
8, 12, 16. आतविभव erlangt KATHA. 10, 180. सत (abl.) आतविद्या: Vop. 5,
20. — 2) nehmen, sich zueignen, an sich ziehen; wegnehmen, entziehen;
entreissen, rauben: यद्दृत्तादध्याददाधे अनन्तम् trennen, sondern RV.
1, 139, 2. घनूर्कस्तादादेदो नो मृतस्य 10, 18, 9. आ वो ऽहं समितिं देदे 166,
4. 5. दिवो अमुष्मादादाय 4, 26, 6. यथा सूर्यो नन्त्राणामुद्यन्तेऽसायादेदे AV.
7, 13, 1. 4, 36, 4. 9, 3, 32. 12, 5, 56 u. s. w. आ देवो देदे बुध्याऽर्षन्तु वै-
श्वानर उदितो सूर्यस्य । आ समुद्रादवरादा परस्मादादिदेदे दिव आ पृथि-
व्याः ॥ RV. 7, 6, 7. भगमस्या वर्च आदिव्यधि वृत्तादिद्वं सजम् AV. 1, 14, 1.
विषं क्षस्यादिदिषि 7, 56, 5. मा म इन्द्र इन्द्रियमादित AIT. BR. 7, 23. ČAT.
BR. 11, 5, 13. अदिषत 4, 2, 4. काश्यास्याश्चमादाय 13, 5, 19. आदियमान
AV. 12, 3, 15. ČAT. BR. 14, 4, 2, 22. — कामत्रपित्वमादाय R. 3, 42, 35. शि-
लोक्कमप्याददीत विप्रो यतस्ततः M. 10, 112. यो ऽसाधुभ्यो ऽर्धमादाय सा-
धुभ्यः संप्रयच्छति 11, 19. तेषां सर्वस्वमादाय राजा 7, 124. अनार्येण नाददीत
परितोषो ऽपि पार्थिवः 8, 170. 9, 243. हावित् द्वे च मूलके । आदानः पर-
त्तेत्रात् 8, 341. नादते प्रियमण्डनापि भवतां (d. i. तत्राणां) स्त्रेकेन सा पल्ल-
वम् ČĀK. 84. तत्रात्रस्यात्तवान्धवः an sich gezogen Bulg. P. 1, 19, 35. बलि-
म्, कर्म, शुल्कम्, प्रतिभागम्, दाडम् (Geldstrafe) M. 8, 307. 7, 131. 133.
8, 33. 35. सर्वं सुकृतमादते ब्राह्मणा ऽनर्चिता वसन् 3, 100. 7, 95. HIT. I,
36. अग्न्यादेदे सो ऽर्धम् RAGH. 1, 21. सहस्रगुणमुत्सृष्टमादते किं रसं रविः
18. R. 3, 23, 5. तोयमादाय गच्छे: (eine Wolke angesprochen) MEGH. 20. 47.
63. यकारं प्रयुञ्जन्निपमेनाकारमादद्यात् wegnehmen Schol. zu ĞĀIM. 1, 16.
देवगन्धर्वयज्ञाणाम् — आदाय सर्वं त्वानि MBH. 1, 7712. आददामो ऽस्य
रत्नानि 4, 979. सिक्तस्य खादतो मांसं मुखादादातुमिच्छसि R. 3, 53, 49. आ-
ददीरन्विलयनं ममापि BHĀG. P. 6, 7, 23. राजानं तेज आदते प्रह्लादं ब्रह्मवर्च-
सम् M. 4, 218. आदास्यते — द्विषतां यथासि MBH. 3, 915. आददे प्राणान्
16434. R. 3, 23, 5. आददुः रत्नसो प्राणान् 31, 17. सर्वस्य लोकस्य मन आ-
देदे das Herz gefangen nehmen RAGH. 4, 8. नाहं मनोस्याददेयं मार्गं स्त्री-
णाम् MBH. 2, 2637. zurücknehmen, zurückfordern: सो ऽत्तदशाहात्तद्व्यं
दद्याच्चैवाददीत च M. 8, 222. 223. आत entzogen, genommen, geraubt ČAT.
BR. 11, 8, 7. 13, 5, 19. ०वोर्य AIT. BR. 4, 23. ०वचस ČAT. BR. 3, 2, 1, 24.
०लक्ष्मि DRAUP. 6, 5. — R. 2, 61, 18. BHĀG. P. 6, 10, 29. PHAL. 13, 10. NA-
LUD. 3, 19. KĪVA-PR. 183, 7 v. u. Die Form आदत् wohl in der Bed. an-
gezogen: ते ऽङ्गुष्ठमात्रा मुनय आदत्ताः सूर्यरश्मिभिः HARIV. 11811. — 3)
mit sich nehmen, mit sich fortziehen: अलंकारं नाददीत पित्र्यं कन्या स्व-